

To the directors/owners of OVBO (Shift-in Properties),  
**Alok Gaur** ( ), **Shyam Tiwari** ( ), **Bharat Singh** ( ),  
C-801, Essel tower, Pilot court, MG road, Gurgaon-122002

मैं आपके कर्मचारी गोविंद तिवारी के व्यवहार और actions से अत्यधिक निराश हूँ। So, मैं अब अपने नोएडा/NCR के सभी परिचितों को, और सोशल मीडिया नेटवर्क पर भी, **Shift-In से दूर रहने की सख्त चेतावनी दूंगा।**

**मैं सभी को सलाह दूंगा कि Shift-In Properties से कोसों दूर रहें, जहाँ भरोसे के बदले धोखा मिलता है।**

मैं Shift-In Primus, FF-5, Noida में डबल शेयरिंग में रहता हूँ, और हर महीने ₹11,000 का किराया दे रहा हूँ। जब मेरी company ने training को एक महीना बढ़ा दिया, तो मैंने 02 May को Crib app के जरिये एक और ₹11,000 का payment कर दिया।

लेकिन 2 दिन पहले मुझे पता चला कि मेरा roommate सिर्फ ₹9,000 प्रति महीने का भुगतान कर रहा है। वही कमरा, वही सुविधाएँ। मेरा रहने का duration है 03 अप्रैल से 03 जून, और उसका 12 अप्रैल से 12 जून। जब मैंने उससे पूछा, तो पता चला कि गोविंद ने उससे cash dealing की थी। वह ₹9,000 cash में दे रहा है, और मुझसे ₹11,000 वसूल गए। यानी हर महीने ₹2,000 का अंतर। पर मैंने सोचा, “गोविंद तो ईमानदार आदमी है,” वह मुझे ₹4,000 का चूना तो नहीं लगाएगा?

जब मैंने गोविंद से पूछा, तो उसने जवाब दिया कि मेरा रूममेट “owner’s reference” से आया है, इसलिए किराया कम है। इस बात पर शक होना स्वाभाविक है। अगर वो वाकई आपका जानकार होता, तो क्या आप सिर्फ ₹2,000 की छूट देते? एक ऐसा business जिसकी सालाना revenue FY2024 में ₹2 करोड़ से अधिक रही हो, क्या वह अपने परिचित को सिर्फ ₹2,000 discount देगा? मुझे तो नहीं लगता। लेकिन मैं कोई businessman नहीं हूँ – आप लोग बेहतर जानते होंगे।

मैंने सोचा “गोविंद तो ईमानदार आदमी है,” वो जरूर खुद आकर इस बात को clear करेगा। लेकिन जब मैंने दोबारा पूछा, तो उसने मुझे पूरी तरह से अनदेखा/ignore कर दिया। क्या मेरे PG में सब लोग सिर्फ ₹9,000 दे रहे हैं? क्या गोविंद ने मुझे अलग से target किया पैसा हड़पने के लिए? क्या आप, जो इसके owners हैं, क्या आपको ये सब पता है?

मेरा rent payment Crib app के जरिये हो रहा है, जबकि मेरे roommate का payment Stayzy/Shift-in के जरिये। एक ही room, 2 अलग-अलग apps, 2 अलग-अलग payment channels – मुझे यह बेहद संदिग्ध लगता है। क्या Shift-In जानबूझकर 2 apps का उपयोग कर रहा है ताकि payment में धांधली की जा सके?

लेकिन ये तो एक किरायेदार के सवाल हैं। शायद मैं गलत हूँ। शायद Shift-In के लिए ये एक आम प्रक्रिया है – कैश में छूट देना, दो ऐप्स रखना। आपको पता होगा। जब मैंने गोविंद से इन सभी बातों पर सवाल किए, तो उसने कहा, “आप मालिक से बात कर लीजिए।” उसने बताया कि मालिक का नाम अमित है। मैंने सोचा, “गोविंद तो ईमानदार आदमी है”, असली owner अमित ही होगा। अमित तो नहीं मिला, पर आप मिल गए। उम्मीद है आप ही owners हैं इसके। अगर आप मालिक नहीं हैं, तो please असली मालिक का नाम बता दीजिए। गोविंद ने तो मेरे questions का कोई जवाब दिया नहीं है। शायद आप, या फिर “अमित”, मुझे बता सकें कि ऐसा क्यों हुआ।

और सबसे ज्यादा खराब बात क्या है जानते हैं? मैंने Shift-In Venus में July 2023 से July 2024 तक एक पूरा साल बिताया। जब इस साल Noida में काम लगा, तो मैंने गोविंद को तुरंत संपर्क किया – पुराने रिश्ते और विश्वास के आधार पर। मुझे भरोसा था कि Shift-In professionally managed होगा। मुझे लगा था कि यहां पुराने किरायेदारों का ख्याल रखा जाता है, उन्हें वसूला नहीं। मुझे लगा गोविंद इमानदार होगा।

अब? अब तो मुझे इतना भी यकीन नहीं है कि मेरी ₹6000 की security वापस मिलेगी या नहीं। ₹5,000, technically – Shift-In ₹1,000 की ‘move-out charge’ भी वसूलता है। क्या कहें – अब जब इंसान को निचोड़ ही रहे हो, तो थोड़ा और सही।

मैं उतना अमीर नहीं हूँ जितने आप हैं। मैंने वह सफलता नहीं देखी जो आपने बनाई है। मैं एक marketing में काम करने वाला और journalism वाला इंसान हूँ। पर मुझे पैसों की अहमियत पता है। अगर गोविंद मुझसे कहता कि कैश देकर ₹4,000 की बचत हो सकती है, तो मैं तुरंत तैयार हो जाता। ₹4,000 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। शायद आपके जीवन में भी कभी ऐसा समय रहा हो जब ₹4,000 से बहुत फर्क पड़ता था। आज वही मेरे लिए भी है। बड़ी ही शर्म की बात है कि Shift-In जैसी जगह, जिसे मैंने घर कहा था, उधर से ही ऐसे दिन देखने पड़ रहे हैं।

मैं अपने नेटवर्क और सोशल मीडिया पर Shift-In के management के बारे में सबको बताऊंगा। इसी के लिए मैंने एक वेबसाइट भी बनाई है: <http://pranjalparashar1.github.io/how-sad> ताकि जब भविष्य में कोई Shift-In को search करे, तो उन्हें भी पता लगे कि यहां क्या हुआ था।

**भगवान की देन, और पैसे की बचत, होगी उनके लिए अगर वो Shift-in से दूर रहेंगे।**

Pranjal Parashar  
भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर | Indian Institute of Management, Nagpur

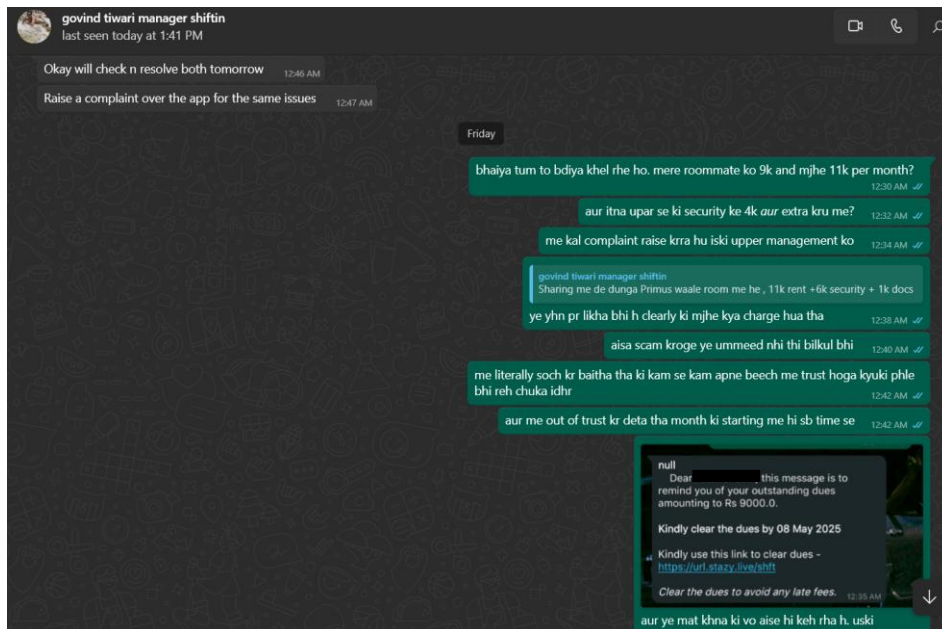


Exhibit 1: गोविंद से पूछना

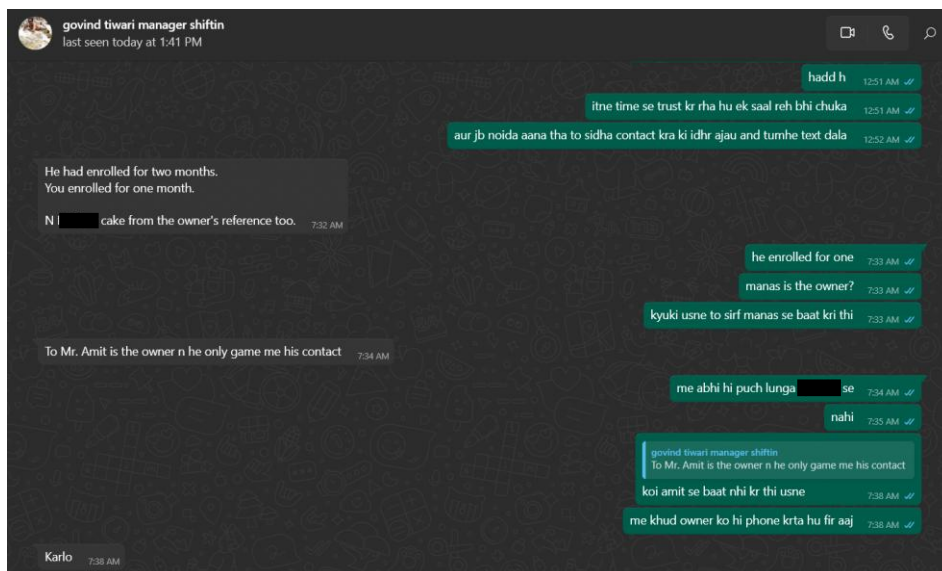


Exhibit 2: "Owner's reference"

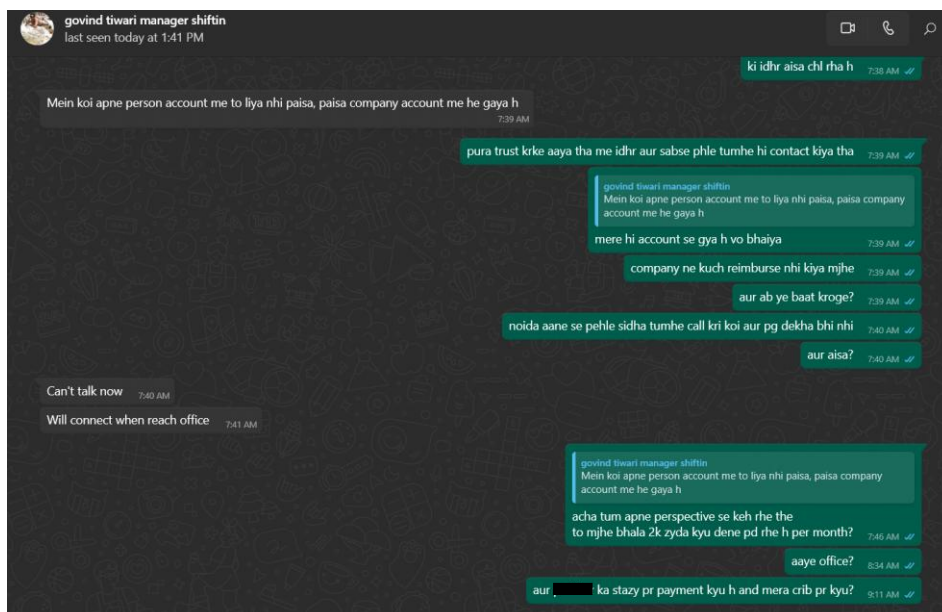


Exhibit 3: मैनेजर clear up करने के बजाय ignore करता है

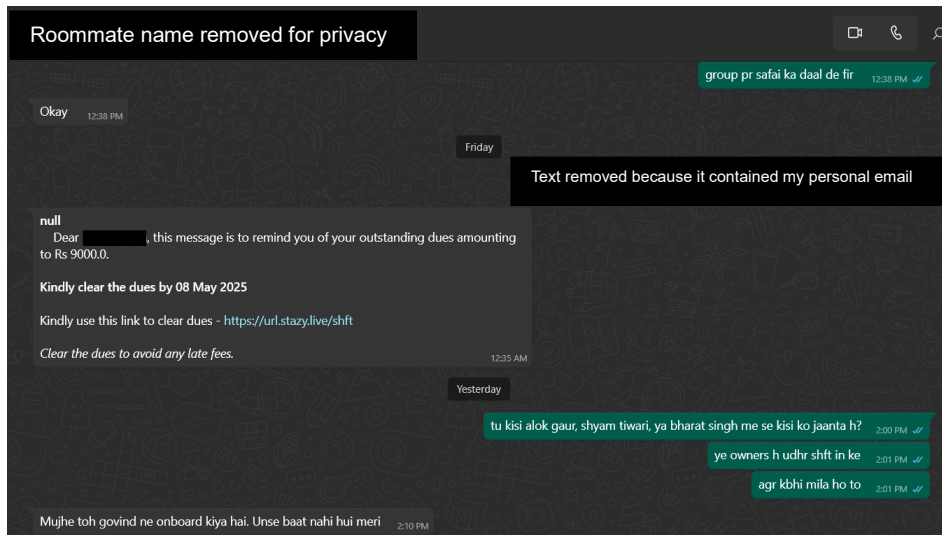


Exhibit 4: Roommate चीज़ें clear up करता है

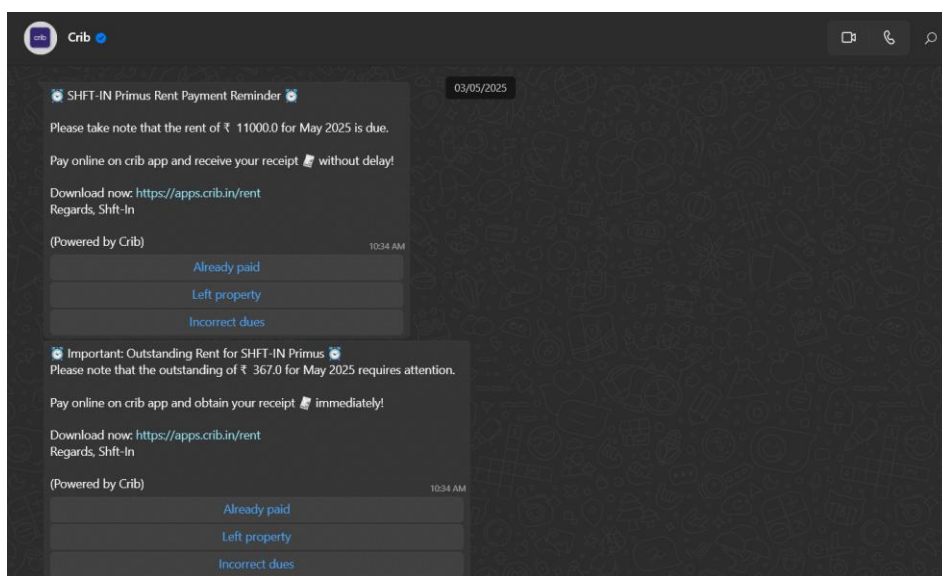


Exhibit 5: मेरा payment Crib app के जरिए, मेरे रूममेट का Stayzy के (Exhibit 4 check करें)।

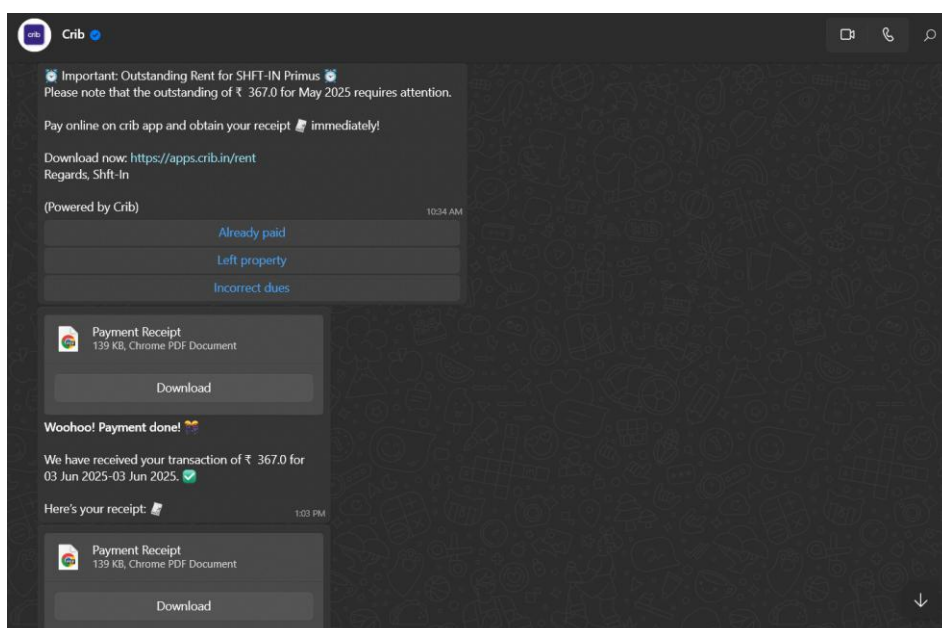


Exhibit 6: मुझ पर एक random ₹367 का charge लगा दिया गया।

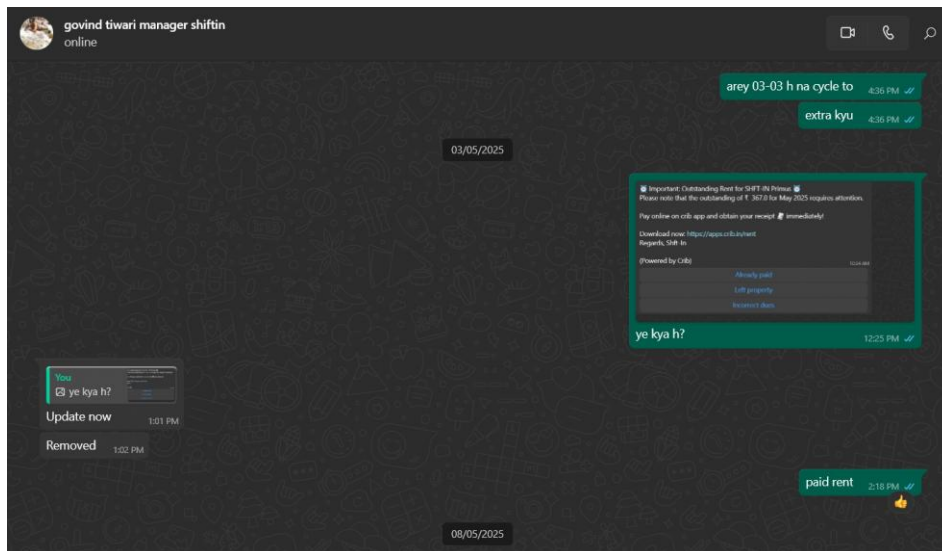


Exhibit 7: मैनेजमेंट के पास power है कि randomly चार्ज लगाए और हटाए किरायेदारों के ऊपर से

**Note about Exhibit 7: Management (गोविंद तिवारी) कहते हैं कि "चार्जस automatic हैं", और "सब कुछ app के जरिए होता है, हमारा कोई हाथ नहीं है इसमें"। ये बिल्कुल झूठ है। Management के पास power है charges लगाने और हटाने की अपनी मर्जी के हिसाब से। App के जरिए तो सिर्फ अपने हाथ धोये जाते हैं accountability से बचने के लिए।**